

प्रधानमंत्री 'वकिसति भारत, वकिसति मध्य प्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे

चर्चा में क्यों?

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 29 फरवरी 2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरूरी 'वकिसति भारत, वकिसति मध्य प्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

मुख्य बंदि:

- इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश में 17,500 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।
 - इन परियोजनाएँ में सचिाई, वदियुत, सड़क, रेल, जल आपूर्ति, कोयला, उद्योग सहित कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं।
 - प्रधानमंत्री मध्य प्रदेश में साइबर तहसील परियोजना का भी शुभारंभ करेंगे।
- वह मध्य प्रदेश में 5500 करोड़ रुपए से ज़्यादा की सचिाई परियोजनाओं का शलान्यास करेंगे।
 - इन परियोजनाओं में अपर नरमदा परियोजना, राघवपुर बहुउद्देशीय परियोजना और बसनया बहुउद्देशीय परियोजना शामिल हैं।
 - प्रधानमंत्री 800 करोड़ से अधिक की दो सूक्ष्म सचिाई परियोजनाएँ भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे जनिमें पारसडोह सूक्ष्म सचिाई परियोजना और औलया सूक्ष्म सचिाई परियोजना शामिल हैं।
- प्रधानमंत्री 2200 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से नरिमति तीन रेलवे परियोजनाएँ भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे।
- इन परियोजनाओं में रतलाम में बड़ा औद्योगिक पार्क; मुरैना ज़िले के सीतापुर में मेगा चमड़ा, जूते एवं सहायक उपकरण केंद्र; इंदौर में परधान उद्योग के लयि प्लग एंड प्ले पार्क; औद्योगिक पार्क मंदसौर (जगगाखेड़ी चरण-2); और धार ज़िले में औद्योगिक पार्क पीथमपुर का उन्नयन परियोजना शामिल हैं।
- प्रधानमंत्री अमृत 2.0 के तहत लगभग 880 करोड़ रुपए की वभिन्न परियोजनाओं और राज्य भर के कई ज़िलों में जल आपूर्ति प्रणालियों को बढ़ाने तथा मज़बूत करने की अनन्य योजनाओं की आधारशिला रखेंगे।

कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लयि अटल मशिन (AMRUT 2.0)

- यह जून 2015 में शुरू कयि गए अमृत मशिन की नरितरता है, ताक यह सुनिश्चित कयि जा सके क हर घर में पानी की सुनिश्चित आपूर्ति और सीवरेज कनेक्शन के साथ नल की पहुँच हो।
- अमृत 2.0 का लक्ष्य लगभग 4,700 ULB (शहरी स्थानीय नकिया) में सभी घरों में पानी की आपूर्ति के मामले में 100% कवरेज प्रदान करना है।
- इसका उद्देश्य सटार्टअप्स और एंटरप्रेन्योरस (सार्वजनिक-नजी भागीदारी) को प्रोत्साहित करके आत्मनिर्भर भारत पहल को बढ़ावा देना है।